चालू करते हैं। यह स्थिति इस हिन्दुस्तान के अन्दर इस राज्य के अन्दर है। मेरा सवाल यह है कि पिछले दस साल में कितनी आप कैपेसिटी आगमेंटेड किए हैं और अगर शार्टफाल है एवरेज के लिहाज से तो आप उसे कब तक पूरा करेंगे?

अभी चूंकि स्थिति बदल रही है तो उसको सहायता करने के लिए जम्मू-कश्मीर में टेलीफोन लाइन्स की कैपेसिटी बढ़ाने के लिए आप टाईम फ्रेम, टाईम बाउंड कोई ज्यादा तेजी से काम करने का कोई निर्णय लेंगे या नहीं?

†[شری محمد سلیم: مہودیہ - اس پرشن پر تو کافی چرچا ہوگی لیکن ہمارا پرشن اسی سے سمبندھت ہے - ہمارا سوال ہے کہ پچھلے دس سال میں جموں اور کشمیر میں ہمارے جو ٹیلیفون کی کیپیسٹی ہے وہ کتنی آگمینٹیڈ ہوئی - میں یہ سوال اس لئے کہہ رہا ہوں کہ میڈم آپ کو معلوم ہے کہ امرناتھ کی یاترا کے سمے میں وہاں گیا تھا - دوسری سب جگہ پاور کرائسیز کی وجہ سے لوڈشیڈنگ ہوتے ہیں - الیکٹریسیٹی میں جموں و کشمیر اسٹیٹ میں ٹیلی فون کی لائن میں لوڈشیڈنگ ہوتے ہیں - کبھی ایک ایکسچینج چالو ہوتا ہے - کبھی ایک لائن چالو ہوتا ہے - کبھی ایک لائن چالو کرتے ہیں - پھر اسکا سوئچ آف کرکے دوسری لائن چالو کرتے ہیں - یہ حالت اس ہندوستان کے اندر دوسرا جیوں کے اندر ہے - میرا سوال یہ ہے کہ پچھلے دس سال میں کتنی آپ کیپیسیٹی آگمینٹیڈ کئے ہیں اور اگر "شارٹ فال" ہے ایوریج کے لحاظ سے تو آپ اسے کب تک پورا کریں گے - ابھی چونکہ اسٹیٹس بدل رہی ہے تو اسکو مدد کرنے کے لئے جموں و کشمیر میں ٹیلیفون لائنس کی کیپیسیٹی بڑھانے کے لئے آپ ٹائم فریم ٹائم باؤنڈ کوئی زیادہ تیزی سے کام کرنے کا کوئی فیصلہ لیں گے یا نہیں -]

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: मैडम, अब दस साल की सूचना तो हमारे पास नहीं है, लेकिन जम्मू-कश्मीर हमारी प्रायरिटी में रहेगा। वहां पर कैपेसिटी के एक्सपेंशन का प्रोग्राम है उसको प्रायरिटी मिलेगी।

Robbery in Buses Plying on Delhi-Rishikesh Route

*344. SHRI SANJAY NIRUPAM:
SHRI RAJNATH SINGH SURYA:

Will the Miniser of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the increasing incidents of robbery in buses plying on Delhi-Rishikesh route in and around Meerut Division;

The Question was actually asked on the floor of the House by Shri Rajnath Singh 'Surya'.

*[] Transliteration in Arabic script.

(b) if so, the details of robberies that took place in the Division during last six months, month-wise; and

(c) the action taken on the incidents and also the remedial measures to stop the same in future?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मोहम्मद मकबूल डार): (क) से (ग) एक विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है:—

विवरण

उत्तर प्रदेश राज्य सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार पिछले 6 महीनों के दौरान मेरठ मंडल में बसें लूटे जाने की कुल चार घटनाएं घटी—सितम्बर, 1996 (जिला मेरठ) में और अक्तूबर, 1996 (जिला मुजफ्फरनगर) में एक-एक तथा फरवरी, 1997 में (जिला हरिद्वार) में दो। उक्त अवधि के दौरान देहरादून जिले में टैक्सी लूटे जाने की एक घटना भी घटी। इन सभी घटनाओं के संबंध में मामले दर्ज किए गए हैं। अभी तक 11 अभियुक्त गिरफ्तार किए जा चुके हैं। हरिद्वार में संबंधित थाना प्रभारी को हटा दिया गया है।

राज्य को सलाह देने और वित्तीय सहायता प्रदान करने के अलावा केन्द्र सरकार, उत्तर प्रदेश में अपराध की स्थिति का विशिष्ट रूप से प्रबोधन समय-समय पर कर रही है। राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून एवं व्यवस्था की स्थिति की हाल ही में की गई समीक्षा में, पुलिस व्यवस्था में सुधार करने तथा अपराध नियंत्रण के लिए एक कार्य योजना कार्यान्वयन हेतु राज्य सरकार को दी गई। अन्य बातों के साथ-साथ इसमें, इस क्षेत्र में राजमार्गीय गश्त बढ़ाने और पुलिस के ढांचे की पुनर्रचना करने के प्रावधान शामिल हैं।

श्री राजनाथ सिंह "सूर्य": उपसभापति जी, इस प्रश्न के पहले भाग में मंत्री जी ने जो उत्तर दिया है उसके संदर्भ में मैं यह कहना चाहता हूं कि यह मेरठ, मुज़फ्फरनगर, हरिद्वार से संबंधित प्रश्न है। शायद मंत्री जी को यह मालूम होगा कि इस क्षेत्र में शराब माफिया, लैंड माफिया और यह जो गिट्टी की सप्लाई करने वाले माफिया हैं इनकी ठेकेदारी को ले करके वहां अपराध बढ़ते रहते हैं और सारे प्रदेश भर के जो अपराधी प्रवृत्ति के ठेकेदार हैं वहां वे एकत्रित हो जाते हैं।

इन तीन जिलों में जो घटनाएं हुई हैं, उन घटनाओं के संदर्भ में मंत्री जी ने अपने उत्तर में कहा है कि हरिद्वार संबंधित थाना प्रभारी को हटा दिया गया है। तो घटना मेरठ में हुई, घटना मुजफ्फरनगर में हुई, घटना हरिद्वार में हुई और उस का दण्ड केवल एक थानेदार को दिया गया। मैं जानना चाहता हूं कि क्या इस प्रकार की नीति से मंत्री जी यह समझते हैं कि वहां अपराध रुक सकेंगे?

श्री मोहम्मद मकबूल डार: मैडम, जहां तक ऑनरेबल मेंबर के सवाल का ताल्लुक है, वह पिछले 6 महीनों में बस लूटिंग या मुसाफिरों की लूटिंग के हालात पैदा करने के मुताल्लिक है। मैडम, मैं इस से संबंधित फिगर्स देना चाहता हूं। पिछले 6 महीनों में डिस्ट्रिक्ट देहरादूर में अक्टूबर में एक बस लूटिंग का वाक्या हुआ, नवम्बर, 96 में निल और दिसम्बर, 96 में निल ...**(व्यवधान)**...और कुल मिलाकर...**(व्यवधान)**...

श्री राजनाथ सिंह "सूर्या": यह तो जवाब में लिखा है, लेकिन आप ने चार जिलों की घटनाओं को दण्डित केवल एक थाना प्रभारी को किया है।...**(व्यवधान)**...

उपसभापति: सूर्या जी, बैठिए। उन्हें बोलने दीजिए। आप लोग इतना इम्पेसेंट क्यों होते हैं? अगर आप सवाल करते हैं तो जितना लंबा आप ने सवाल किया है, उस का जवाब तो आने दीजिए। I don't expect the Members to be so impatient at least in the morning.

श्री महेश्वर सिंह: महोदया, यह जवाब तो टेबिल पर रख दिया गया है।

श्री मोहम्मद मकबूल डार: मैडम, पिछले 6 महीनों में बस लूटिंग के 4 वाक्यात जरूर हुए हैं और एक टैक्सी में जो मुसाफिर थे, उन का भी एक वाक्या हुआ है। इस संबंध में ऑनरेबल मेंम्बर्स को मैं यह कहना चाहता हूं कि ऐसा भी नहीं होना चाहिए था। मैडम, इस सिलसिले में हम ने गवर्नमेंट ऑफ उत्तर प्रदेश से जो इनफॉर्मेशन मांगी है वह इस तरह है कि इन वाक्यात को सद्बाद करने के लिए हम ने जो उपाय लिए हैं, उन में हम ने फौरन इन वाक्यात को सुनकर एक रिव्यू कमेटी बनायी है जिस में हमारे होम सेक्रेटरी, रियासत उत्तर प्रदेश के चीफ सेक्रेटरी और होम कमिश्नर थे। इसे रिव्यू करने के सिलसिले में कुछ खास इकदामात लिए गए। मैडम, मैं मानता हूं कि यह जो वाक्यात हुए हैं, वह नहीं होने चाहिए। इस सिलसिले में हम ने गवर्नमेंट ऑफ उत्तर प्रदेश को हिदायतें दी हैं। और जो कुछ हम ने अमली तौर पर इस को सद्बाद करने के लिए किया है, वह इस तरह है कि:

A new range comprising Saharanpur, Haridwar and Muzaffarnagar district has been created at Saharanpur. A DIG will has been posted there exclusively. A new police district comprising the areas of Noida, Greater Noida within the revenue district of Ghaziabad is proposed to be created. An SSP will be posted in the proposed police district. A post of DIG (Intelligence) has been created. He will be stationed at Ghaziabad and he will be supported by an SP (Intelligence). They will exclusively devote themselves to intelligence work.

मैडम, यह भी सही है कि कभी-कभी तशवीश की जाती है कि पुलिस अमले में भी कुछ माफिया वालों का, जैसे आप ने माफिया लफ्ज इस्तेमाल किया, कुछ नेक्शस का मामला है। इस के लिए हम ने सर्वेलेंस का पूरा इंतजाम किया है जो कि पुलिस आफीसर्स की तरफ भी खास ख्याल रखेंगे और हम पुलिस अमले के खिलाफ जरूर एक्शन लेंगे। इस तरह की हिदायत हम ने उत्तर प्रदेश गवर्नमेंट को दी है। इस के अलावा जो वहां की गश्त या पेट्रोलिंग है, वह भी ज्यादा तेज की है। उसमें कुछ कमियां थीं हमारे अमले में, Only 47 vehicles were at their disposal. We have now provided 55 vehicles more for speedy action against criminals and terrorists.

उपसभापतिः दूसरा सप्लीमेंटरी। अब मंत्री जी ने सब बता दिया है, कुछ रह गया है क्या?

श्री राजनाथ सिंह "सूर्य": मैडम, मैंने तो इतना पूछा भी नहीं था, जितना उन्होंने बता दिया है।

उपसभापतिः ठीक है, पूछिए।

श्री राजनाथ सिंह "सूर्य": मैडम, मैंने माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता था, माननीय मंत्री जी जरा ध्यान दीजिएगा, मैंने तो पहले सवाल में आपसे केवल इतना जानना चाहा था कि चार जिलों में घटनाएं हुई हैं और उसमें से केवल एक जिले में एक थाना प्रभारी को उसकी सजा दे दी गई है। घटनाएं दूसरे जिलों में भी हुई हैं, सजा दे दी गई केवल एक थाना प्रभारी को, तो ऐसा क्यों किया गया है? इसका जवाब मंत्री जी ने नहीं दिया है। अगर हो सके तो बाद में दे देंगे। मैं दूसरा सप्लीमेंटरी पूछता हूं। आपने अपने जवाब में जो दे रखा है, उसका विस्तार से बता दिया है कि क्या कार्य-योजना बनाई गई, कैसे आई०जी० नियुक्त किया गया, पुलिस डिस्ट्रिक्ट किस प्रकार से बनाए गए हैं, कितने ए०एस०पी० बनाए गए हैं। मैडम, आपको भी यह जानकारी है कि जो क्राइम होते हैं उनका इन्वेस्टीगेशन थाने के स्तर पर होता है। उत्तर प्रदेश में जब भी इस प्रकार की कोई घटना होती है और अपराधों की चर्चा होती है तो बड़े अधिकारियों की संख्या बढ़ जाती है। उत्तर प्रदेश में इस समय एक दर्जन तो डायरेक्टर जनरल पुलिस हैं, 50 से अधिक आई०जी० हैं, सैकड़ों डी०आई०जी० हो गए होंगे और एस०पी०, एस०एस०पी० की संख्या की तो गिनती नहीं की जा सकती। गाजियाबाद के लिए आपकी जो कार्य-योजना बनाई गई है, जिसका जिक्र अभी मंत्री जी ने किया है, मेरठ कमीश्नरी के दो पुलिस विभाग कर दिए हैं, एक कमीश्नर और उसके अंडर में दो डी०आई०जी० होंगे, एस०एस०पी० भी बढ़ा दिए गए हैं। इससे जो थाने का स्टाफ है, वही कट करके इन लोगों को कार्यालयों की व्यवस्था में लगाया जाएगा। इस प्रकर से तो जो इन्वेस्टीगेशन के लिए पुलिसकर्मी चाहिएं उनका अभाव हो जाएगा। अपराधों पर नियंत्रण करने के लिए, उनकी छानबीन करने के लिए जो आवश्यकता होती है थाने और स्थानीय पुलिसकर्मी यानि सब-इंस्पेक्टर और उससे नीचे के अधिकारियों की, उनकी संख्या बड़े अधिकारियों की संख्या बढ़ाने से कम होती जा रही है। इस बात को ध्यान में रखते हुए क्या सरकार इस कार्य-योजना पर पुनर्विचार करेगी?

श्री मोहम्मद मकबूल डारः मैडम, जहां तक आनरेबिल मैम्बर के कहने का ताल्लुक है कि एक ही आदमी को सजा दी गई है, मैं इनसे गुजारिश करना चाहूंगा कि जो कुछ, कोई भी आपकी नजर में सजा के लायक है, आपकी नजर में, तो उसकी रिपोर्ट दीजिए। I will take action on that report. इसके अलावा हमने जो इस किस्म के क्रिमिनल्स हैं, जो इसमें मुलव्वस नजर आते हैं उनको आईडेंटीफाई कराया है। उनकी बहुत संख्या है। यह डिब्रूटेड हिस्सा है, खासतौर से उत्तर प्रदेश में, तो 32,000 के लगभग उनकी संख्या आती है। पिछले एक महीने में हमने 50 परसेंट यानी 16,000 को अरेस्ट किया है, जो हमारी कस्टडी में हैं। इस तरह से हम बिल्कुल दिलचस्पी के साथ इस डेविल को रूट-आउट करने के दर पर हैं।

उपसभापतिः श्री राजनाथ सिंह।

श्री राजनाथ सिंह "सूर्य": मैडम, मेरे प्रश्न के दूसरे भाग का तो उत्तर दिया ही नहीं मंत्री महोदय ने। ...(**व्यवधान**)... इसका बिल्कुल उत्तर ही नहीं दिया, कम से कम यह कार्य-योजना के बारे में तो बता दें।

उपसभापतिः श्री राजनाथ सिंह।

श्री राजनाथ सिंह 'सूर्य': मैडम, मैं मंत्री जी द्वारा दिए गए उत्तर के दूसरे पैरा के अंतिम वाक्य की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा, जिसमें उन्होंने कहा है— "This *interalia* provides the augmentation of highway patrolling and restructuring of Police structure in the region."

शायद मंत्री जी को भी जानकारी होगी इस सदन के सभी सम्मानित सदस्य भी अवगत होंगे कि नेशनल हाइवेज पर जो पुलिस पेट्रोलिंग होती है, वह पुलिस पेट्रोलिंग किस प्रकार से होती है। हर पांच-सात किलोमीटर पर नेशनल हाइवेज पर बैरियर्स लगाकर पुलिस ट्रकों को रोकने का काम करती है, हर ट्रक से पैसों की वसूली करती है। नेशनल हाइवेज के बगल में आने वाले जितने थाने हैं, लगभग सभी थानों का प्रमुख काम यही होता है। जहां तक मेरी जानकारी है, आज तक इस प्रकार से बैरियर्स लगाकर ट्रकों और दूसरे मोटर व्हीकल्स की चैकिंग के बावजूद एक भी बड़ा अपराधी नहीं पकड़ा गया है। ऐसी स्थिति को रोकने के लिए मंत्री जी के द्वारा क्या प्रभावी कदम उठाया जा रहा है ताकि पुलिस अपनी पूरी क्षमता के साथ उत्तर प्रदेश में अपराध को नियंत्रित करने में सफल हो सके?

श्री मोहम्मद मकबूल डारः मैडम, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय को, ...**(व्यवधान)**... ..... आनरेबिल मैम्बर को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं। ...**(व्यवधान)**...

उपसभापतिः कोई बात नहीं, वह मंत्री थे पहले। ...**(व्यवधान)**... बन भी सकते हैं, उसमें कौनसी बात है। ...**(व्यवधान)**...

श्री मोहम्मद मकबूल डारः चलिए, यह आपके लिए एक अच्छा सगुन है। अगर इस तरफ को आओगे तो मंत्री भी बन जाओगे। ...**(व्यवधान)**...

श्री राजनाथ सिंहः इस तरफ कभी नहीं आएंगे। ...**(व्यवधान)**...

श्री मोहम्मद मकबूल डारः बहरहाल, मेरी गुज़ारिश इस बारे में यह है कि यह आम फैशन भी बन गया है और इसमें सदाकत भी किस हद तक है कि यह हमारा जो माहौल बना है हमारे देश का, शिकायतें आती हैं—चाहे पुलिस हमले की हों, चाहे किसी इदारे की, किसी इंस्टीट्यूशन की हों, तो ये शिकायतें आती हैं और जिस तरह आपने फरमाया कि कोई अपराधी पकड़ा नहीं गया, पैसा लेते हैं, इसमें मेरे ख्याल में आपका भी सहयोग होना चाहिए ...**(व्यवधान)**... सहयोग इस सैंस में कि यदि किसी शख्स ने, किसी अफसर ने पैसा लेकर अपराधी को छोड़ा है तो bring him to our notice and we will take action against him. यह तो एक बात हुई प्रैक्टिली। दूसरा, अपने मुल्क में सब मुअज्ज़िस शहरियों को एक एजुकेशन भी दीजिए और एक सिविक सैंस पैदा कीजिए। यह सांझा मामला है, इस माहौल को चेंज कीजिए। बाकी हमने वहां जो चैक-पोस्ट्स हैं, उनमें काफी हद तक इज़ाफा किया है और हमारी नीयत है प्रेक्टिकली कि यह जो आपने फरमाया, इसका भी कलाकुमा हो जाएगा। मैं आपको यकीन दिलाना चाहता हूं दयानतदारी और ईमानदारी के साथ कि हम अपनी तरफ से भी कोशिश करेंगे कि यह नासूर खत्म हो जाए और आपसे भी मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि यह सारे देश का मामला है, सब लोगों को सिविक सैंस आनी चाहिए और देश में भ्रष्टाचार का जो माहौल आपको दिखाई देता है, इसको दूर करने के लिए हम सबको मिलकर काम करना चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री राजनाथ सिंहः मैडम, मंत्री जी ने उत्तर देने में बड़ी सदुश्यता और दरियादिली का परिचय दिया है। माननीय मंत्री जी हमसे सहयोग चाहते हैं, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि वे किस प्रकार का सहयोग चाहते हैं? ...**(व्यवधान)**...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I think, there is no supplementary that can be put because the Minister has given such a sermon to all of you.

SHRI G. SWAMINATHAN: Madam, many questions are going unanswered and all the effort made in preparing these question is going waste. Ealrier, there was some decision taken that if the questioner is not present, then some other Members can raise their hands and that question can be answered by the Minister. ...*(Interruptions)*... Why can't you take such a decision because several questions are going unanswered.

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is a sad part that the Members who put questions ...*(Interruptions)*... Even the day before yesterday, I made this comment that any Memebr who put a question should have the seriousness to

be present in the House in the Question hour; otherwise, it comes in the ballot and Members prepare supplementaries, and it is not fair. So, we will write to the Member, in general. ...*(Interruptions)*... Now, the thing is being done.

SHRI V. NARAYANASAMY: Madam, it is a very important question.

SHRI G. SWAMINATHAN: Madam, in some Assemblies, even if the questioner is absent, some other Memebers can put that question. That should also be allowed by you.

*345. *[The Questioner (Shri Govindrao Adik) was absent. for answer vide col..... infra.]*

भारत में विदेशी छात्र

*346. **श्री रामजीलाल:**
श्री अजीत जोगी:*

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) एक साल में सरकार द्वारा भारत में अध्ययन हेतु राष्ट्रवार कितने विदेशी छात्रों का चयन किया जाता है तथा कितनों को छात्रवृत्ति दी जाती है, और

(ख) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान इस प्रयोजन के लिए नेपाल, श्रीलंका, बंगलादेश तथा अन्य पड़ोसी देशों से ऐसे कितने छात्र भारत आए?

विदेश मंत्री (श्री इन्द्र कुमार गुजराल): (क) से (ख) वक्तव्य सदन के पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

विदेश मंत्रालय द्वारा मनोनीत विदेशी छात्रों की संख्या हर वर्ष बदलती रहती है। शैक्षिक वर्ष 1996-97 के दौरान संलग्न देशवार ब्यौरो के अनुसार प्रवेश के लिए 877 छात्र मनोनीत किये गये थे जिनमें से 614 को छात्रवृतियां दी गई और 263 को स्व-वित्तपोषित सीटों की पेशकश की गई।

पिछले तीन वर्षों के दौरान पड़ोसी देशों से 819 छात्र भारत सरकार की छात्रवृत्तियों पर भारत आये थे। ब्यौरा नीचे दिया गया है

क्रम सं०	देशों के नाम	1994-95	1995-96	1996-97
1.	अफगानिस्तान	14	4	11
2.	बंगलादेश	94	94	98
3.	भूटान	5	2	15
4.	चीन	21	23	19
5.	मालदीव	5	4	6
6.	म्यांमा	1	4	—
7.	नेपाल	84	63	74
8.	पाकिस्तान	—	—	—
9.	श्रीलंका	61	55	62
	योग	285	249	285
			सकल योग	819

*सभा में यह प्रश्न श्री अजीत जोगी द्वारा पूछा गया।